

31/10/25

पत्रावली पेश हुई ताकी/
वकील वादी अनुत्थिन बार-बार आवान
लगवार् गइ कोइ भी उपात्थिन नई
हुआ पुन! थोपहर बाद फिर से
आवान लगवार् गइ तब भी कोइ भी
उपात्थिन नई हुआ अत! ~~बाद~~ बाद
वादी अदम पेशी अदम डंजरी में
खारिज किया जाता है पत्रावली
नम्बर से कम हो बाद तामील दाखिल
दफतर होवे।

अखण्ड अदिल
अलवर